Issue 8
August 2024

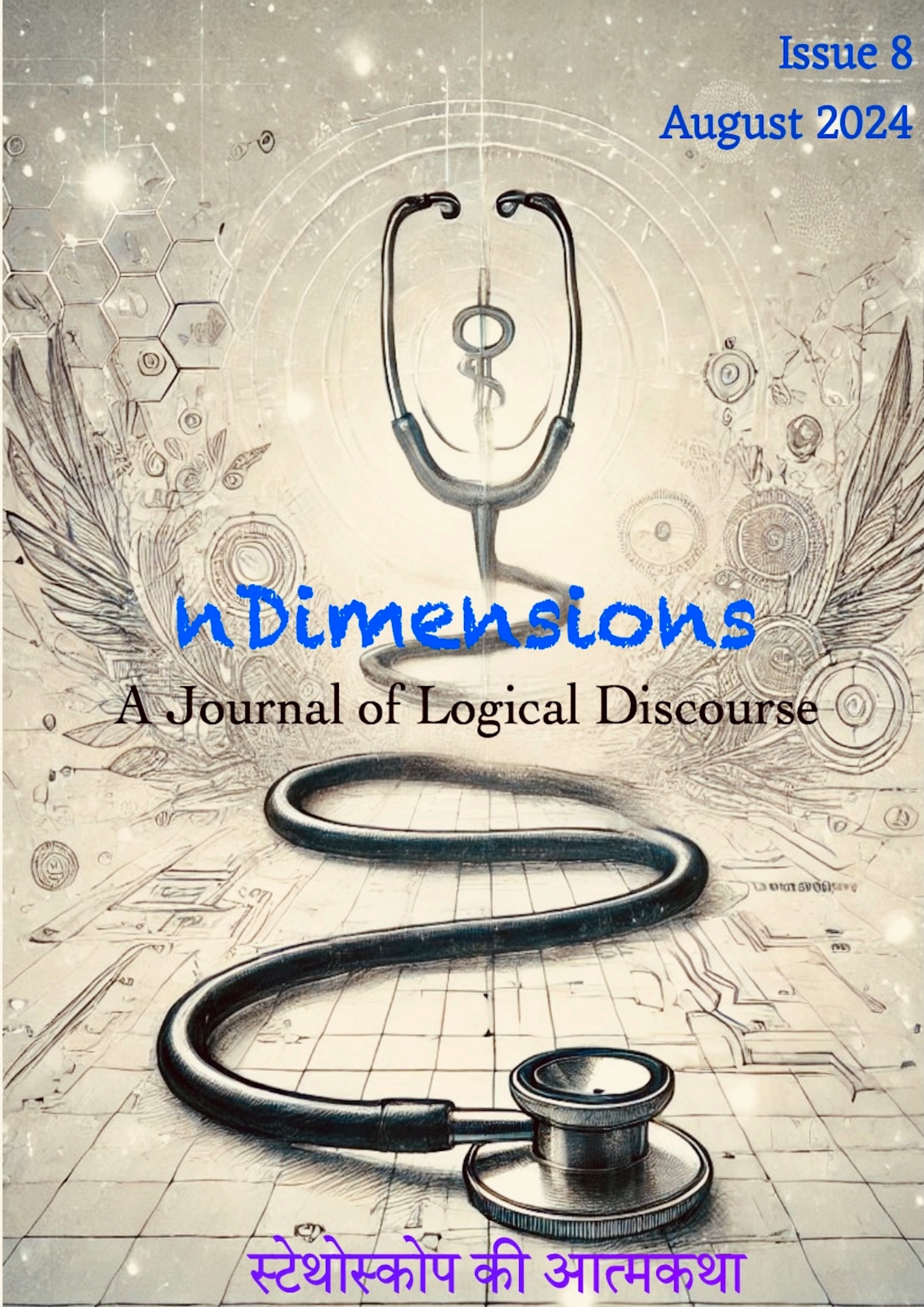

nDimensions

A Journal of Logical Discourse

स्टेथोस्कोप की आत्मकथा

August 2024

Issue-8

nDimensions

A Journal of Logical Discourse

संपादक:

डॉ. बिभाष कुमार श्रीवास्तव

अनुक्रम

श़ेल्स (थ़ालॆस) से यूक्लिड तक यूनानी ज्यामिती पाइथ़गोरस 3

जॉर्ज जॉन्स्टन ऑलमैन

प्रथम कीमियागीर 22

एफ़ शेरवुड टेलर

स्टेथोस्कोप की आत्मकथा 43

डॉ ज्योत्सना श्रीवास्तव

आँकड़ों का दुरुपयोग प्रतिशत का ग़लत उपयोग 49

रॉबर्ट एमॆट चॅडोक

डॉक्टर सुधीर कुमार का कॉलम 67

सुधीर कुमार

इकतीस साल के व्यक्ति में भूलना, ध्यान लगाने में कमी, और बोध में कमी 71

सुधीर कुमार

कहानियां खुशियों की, आंसुओं की... जज़्बात की 73

अनुरोध शर्मा

थ़ेल्स (थ़ालेस) से यूक्लिड तक यूनानी ज्यामिती पाइथ़गोरस

(भाग-1)

जॉर्ज जॉन्स्टन ऑलमैन

ईसा पूर्व छठीं शताब्दी के मध्य में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ: आयोनिया (Ionia), अब स्वतंत्र और समृद्ध नहीं था, और पहले वह लीडिया (Lydia) और बाद में परशिया के अधीन हो गया, और जिस आयोनिया नाम से ही यूनान सकल पूर्व में जाने जाते थे, ईजियन (Aegean) पार के उनके अपने लोग ही इस नाम से कतराने लगे।[1] दूसरी तरफ़ एथ़ेंस और स्पार्टा मशहूर नहीं हुए थे; मॅरथ़न (Marathon) और सलामिस (Salamis) के दिन अभी शुरू नहीं हुए थे। इस दौरान हेलेनिक (Hellenic) नाम के गौरव को मुख्यतः इटॅलिक यूनानियों (Italic Greeks), जो कि अपनी समृद्धि के शिखर पर थे, ने बनाए रखा, और जिन्होंने हाल में ही अपनी भूमि को ग्रीस महान-मैग्ना ग्रॅकिया (ἡ μεγάλη Ἑλλάς) के नाम से अर्जित किया था।[2] यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि इस दौर में इटली के हेलेनिक शहरों और एशिया के बीच भारी व्यापारिक रिश्ते थे; और यह भी कि उनमें से कुछ जैसे कि साइबरिस (Sybaris) और माइलीटस (Miletus) एक तरफ़ और टरेंटम (Tarentum) और स्नाइडस (Cnidus) दूसरी तरफ़, के बीच प्रगाढ़ सम्बंध थे।[3] यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आयोनिया, पाइथ़गोरस, जनॉफ़नीज़

---

[1] Herodotus, i. 143

[2] Polybius, ii, 39; ed. Bekker, vol, i., p. 1844

[3] Herold., vi. 21, and iii. 138

(Xenophanes) पर परशिया के विजय के बाद लोग अपने देश छोड़कर, सभ्यता की धारा का अनुसरण करते हुए मैग्ना ग्रॅकिया (Magna Graecia) में आ बसे।

जिस तरह से लोगों में यूनान में ज्यामिति की शुरुआत करने का श्रेय थ़ेल्स को देने में आम सहमति है, उसी तरह से सभी लोग[4] इस बात पर भी सहमत और सम्मान देते हैं कि पाइथ़गोरस ऑफ़ सिमॉस (Pythagoras of Samos), जो कि इटालिक मत (Italic School) के संस्थापक थे, यूनान के दूसरे महान दार्शनिक थे जिन्होंने गणित को विज्ञान के स्तर तक पहुँचाया।

इस महान व्यक्ति के सम्बंध में प्राचीन लेखकों के वक्तव्य परस्पर विरोधी हैं, और ये सब उनके ऊपर व्यक्तिगत वक्तव्य हैं जो कि अस्पषटता लिए हुए हैं; उदाहरण के तौर पर, उनके जन्म की तारीख़ें 43वें और 64वें ओलंपिक[5] के बीच बताई जाती हैं। तो किसी और कारण से नहीं बल्कि अपने विचारों को स्थापित करने के उद्देश्य से पाइथ़गोरस के जन्म की तारीख़ तय करना वांछित है; और ऐसा करने के लिए कुछ अतिरिक्त कारण भी हैं क्योंकि इसकी अनदेखी करके कुछ लेखक भ्रम के शिकार हैं और उनके जीवन का विवरण देते समय असंगतियों में फँस गए हैं। पाइथ़गोरस के जन्म की जो विभिन्न तारीख़ें बताई गई हैं, उनमें से जो मुझे जँचती है, और जो रिटर (Ritter) सरीखे विश्वसनीय लेखकों से मेल खाती है, और जिसे ग्रोट (Grote), ब्रॅन्डिस (Brandis), यूबरवेग (Ueberweg) और हैंकल (Hankel) जैसे लोगों द्वारा अपनाया गया, वह है 580 ईसा पूर्व (49वीं ओलंपिक)। यह तारीख़ निम्नलिखित उल्लेखों से मेल खाती है:-

---

[4] Aristotle, Diogenes Laertius, Proclus, among others.

[5] See G. H. Lewes, *Biographical History of Philosophy,* Book ii., c. ii., where the various dates given by scholars are cited.

कि पाइथ़गोरस का सम्बंध थ़ेल्स से था जो कि तब बूढ़े हो चुके थे, जिनको कि वह अपनी उम्र को देखते हुए अपना उत्तराधिकारी मानते थे और जिन्होंने उनको पश्चिमी सभ्याता की मातृभूमि मिस्र[6] की यात्रा के लिए प्रेरणा दी;

कि उन्होंने क्रीसस (Croesus) के शासनकाल (560-546 ईपू), जबकि आयोनिया अभी भी स्वतंत्र था, के दौरान अपने यौवन काल में ही देश छोड़ दिया छोड़ दिया था;

कि वो मिस्र में कई वर्ष रहे, जिससे कि वो मिस्र की भाषा सीख सकें और उस देश के पुजारियों के दर्शन के जज़्ब हो सकें;[7]

कि सिमॉस (Simos) वापस लौटने पर, अपने देश को पॉलिक्रटीस (Polycratese)[8] की तानाशाही के अधीन पाया, और आयोनिया को परशिया के अधीन, तो वो टॉरकिनियस सुपरबस (Torquinius Superbus)[9] के शुरुआती दौर में ही इटली चले गए;

और यह कि उन्होंने क्रोटोना (Crotona) में अपने ब्रदरहुड (Brotherhood) की स्थापना की जहाँ वो बीस साल या अधिक की अवधि तक रह कर शिक्षा प्रदान की, और बहुत सम्मान पाया, यहाँ तक कि वहाँ के लोग—वहाँ के निवासी और हेलेनिक लोग—उसे देवता समझते थे; और तब साइलॉन के अधीन एक डिमोक्रेटिक पार्टी की वजह से साइबरिस (Sybaris) के विनाश और लुप्त (510 ईपू) होने के बाद, वो मेटापोदियॉम (Metapontum) चले गए, जहाँ वो बाद में मृत्यु को प्राप्त हुए।

---

[6] Iamblichus, *de Vita Pyth.,* c. ii., 12

[7] Isocrates is the oldest authority for this, *Busiris* c. 11

[8] Diog. Laert., viii. 3; Aristoxenus, Vol. III. ap. Porphyr., *de Vita Pyth., 9*

[9] Cicero, *de Rep.*II., 15 *Tusc. Disp.,* I., xvi., 38